Part A Introduction				
Program: P.G. DIPLOMA		Class: M.A.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Sociology				
1	Course Code	CC-21		
2	Course Title	Sociology of Madhya Pradesh		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Sociology)		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. Understand the social and cultural structure of Madhya pradesh. 2. Analyze the diversity of caste, tribes and communities in the state. 3. Evaluate key Socio-economic issues like poverty, migration and education. 4. Study the life, Challenges and development of tribal groups. 5. Assess the impact of government policies and welfare schemes.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	
Part B-Content of the Course				
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=				
Unit	Topics			No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Madhya Pradesh & Indian Knowledge System 1. Madhya Pradesh Ancients Education System In reference to Sandipani Asharam 2. Music Education System Of MP referenced 3. Concepts of Vasudev Kutumbakam of Madhya Pradesh 4. Ramayan periods Social Harmony - Chitrakut Pravas of Shri Ram			15
	Keywords - Ancients Education, Music, Vasudev Kutumbakam, Ramayan periods			
	Activity - Prepare a report after studying the ancient educational institutions of your city. Prepare a biography of classical music artists of your city.			

22/08/25 22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Principal
Govt. Mahakoshal Arts & Commerce
Mahavidyalaya, Jabalpur

II	Madhya Pradesh & Sociology 1. Origin and Development of Sociology in Madhya Pradesh 2. Cultural, Religious, Linguistic, Regional Diversity of Madhya Pradesh 3. Tribal Society Of MP 4. Different Research Institution of MP - Samajik Shodh Institution, Ujjain & Deen Dayal Shodh Sansthan, Chitrakoot	15
	Keywords - Sociology, Origin, Development, Cultural, Religious, Linguistic, Tribal Sociology.	
	Activity - For the development of sociology in Madhya Pradesh, prepare a list of when the subject of sociology was started in your respective city and the list of sociology teachers till date.	
III	Sociology in Madhya pradesh- Regional Distribution 1. Sociology - Malwa region 2. Sociology - Chambal region 3. Sociology - Vindhya Region 4. Sociology - Bundelkhand Region 5. Sociology - Nimar Region These region of Madhya Pradesh - Demography,Food Habit, Lifestyle, Language, Dance, Small Scale Industries, Festival	15
	Keywords - Sociology Malwa, Chambal, Vindhya, Bundelkhand, Nimad, Demography, Food Habit, Life, Dance	
IV	Sociology Of MP 1. Rural Society of MP 2. Tribal Society of MP 3. Urban Society of MP 4. Different Social issues of MP	15
	Keywords - Rural, Tribal, Urban, Society, Social issues.	
	Activity - Get monographs prepared on the tribes of the state.	
V	Introduction of Main Sociologist of MP Dr B R Ambedkar Dr S C Dubey Dr Leela Dubey Dr I S Chohan Dr N K Horaha Dr A D Patil	15
	Keywords - Sociology of Caste System, Anti-Caste Perspective, Social Justice, Tradition and Modernization, Feminist Sociology, Sociology of Rural Society	
	Activity - Organise a seminar on sociologists of the state.	
	Total Lectures	75 Hours

22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. भारतीय समाज और संस्कृति, ध्रुव कुमार दीक्षित,विनायक पब्लिशर आगरा
2. समाजशास्त्र,सी एन शंकर,एस चांद दिल्ली
3. भारतीय समाजशास,योगेंद्र सिंग,रावत पब्लिशर जयपुर

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-21
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	मध्यप्रदेश का समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. मध्यप्रदेश की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को समझना। 2. राज्य में जाति, जनजातियों और समुदायों की विविधता का विश्लेषण करना। 3. गरीबी, पलायन और शिक्षा जैसे प्रमुख सामाजिक- आर्थिक मुद्दों का मूल्यांकन करना। 4. आदिवासी समूहों के जीवन, चुनौतियों और विकास का अध्ययन करना। 5. सरकारी नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव का आकलन करें।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 — न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	मध्यप्रदेश और भारतीय ज्ञान परम्परा। 1. मध्यप्रदेश की प्राचीन शिक्षण व्यवस्था-संदीपनी आश्रम के संदर्भ में। 2. मध्यप्रदेश की संगीत शिक्षण व्यवस्था-ग्वालियर घराने के संदर्भ में।, मैहर घराने के संदर्भ में 3. मध्यप्रदेश की वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा। 4. रामायण कालीन सामाजिक समरसता - श्री राम का चित्रकूट प्रवास।	15
	सारबिन्दु – प्राचीन शिक्षा, संगीत, वसुधैव कुटुम्बकम, रामायण काल	
	गतिविधि - अपने अपने नगर की प्राचीन शिक्षण संस्था का अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार करना। अपने शहर के शास्त्रीय सँगीत के कलाकारों की बायोग्राफी बनाना।	
द्वितीय	मध्यप्रदेश और समाजशास्र। 1. मध्यप्रदेश में समाजशास्र की उत्तपति और विकास। 2. मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक,भाषाई,क्षेत्रीय विविधता। 3. मध्यप्रदेश का जनजातीय समाज। 4. मध्यप्रदेश के विविध शोध संस्थान - सामाजिक विज्ञान शोध केंद्र उज्जैन, दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट	15
	सारबिन्दु – समाजशास्त्र, उद्भव, विकास, संस्कृति, धर्म, क्षेत्र, जनजाति समाज	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

4	**गतिविधि** - मध्यप्रदेश के समाजशास्र के विकास हेतु अपने अपने शहर में समाजशास्त्त विषय का प्राम्भय कब हुआ और अब तक के समाजशास्र के शिक्षकों की सूची बनवाये।	
तृतीय	मध्यप्रदेश में समाजशास्र--क्षेत्रीय विभाजन 1. समाजशास्र - मालवा अंचल 2. समाजशास्र - चंबल अंचल 3. समाजशास्त्र - विंध्य अंचल 4. समाजशसत्र - बुंदेलखंड अंचल 5. समाजशसत्र - निमाड़ अंचल मध्यप्रदेश के इन अंचलों की जनांकिकी, खान पान, रहन सहन,बोली, भाषा,नृत्य, रहन सहन,कुटीर उयोग, पर्व।	15
	सारबिन्दु – समाजशास्त्र, मालवा, चंबल, विंध्य, निमाड़, बुन्देलखण्ड, जनसांख्यिकी, जीवन शैली, नृत्य	
	गतिविधि - अपने क्षेत्र की परम्परा,रहन सहन,मेला,पर्व पर लघु चित्र का प्रदर्शन कराना।	
चतुर्थ	मध्यप्रदेश में समाजशास्र। 1. मध्यप्रदेश का ग्रामीण समाज 2. मध्यप्रदेश का जनजातीय समाज 3. मध्यप्रदेश का नगरीय समाज 4. मध्यप्रदेश के विविध सामाजिक मुद्दे	15
	सारबिन्दु – ग्रामीण, जनजाति, नगरीय समाजशास्त्र , सामाजिक मुद्दे	
	गतिविधि - प्रदेश की जनजाति पर मोनोग्राफ बनवाये।	
पंचम	मध्यप्रदेश के प्रमुख समाजशास्त्रीयों का परिचय डॉ भीम राव अम्बेडकर डॉ श्यामाचरण दुबे डॉ लीला दुबे डॉ आई एस चौहान डॉ एन के गोरहा	15
	सारबिन्दु – जाति व्यवस्था का समाजशास्त्र, जाति-विरोधी दृष्टिकोण, सामाजिक न्याय, परंपरा और आधुनिकीकरण, नारीवादी समाजशास्त्र, ग्रामीण समाज का समाजशास्त्र,	
	गतिविधि - प्रदेश के समाजशास्त्तियो पर संगोष्ठी करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. भारतीय समाज और संस्कृति, ध्रुव कुमार दीक्षित,विनायक पब्लिशर आगरा
2. समाजशास्र,सी एन शंकर,एस चांद दिल्ली
3. भारतीय समाजशास्र,योगेंद्र सिंग,रावत पब्लिशर जयपूर

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/8/25

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: P.G. DIPLOMA		Class: M.A.	Year: First Year	Session:2025-26
Subject: Sociology				
1	Course Code	CC-22		
2	Course Title	Tribal Sociology		
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Core Course		
4	Pre-requisite (if any)	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Sociology)		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	1. This syllabus will provide the scientific knowledge and demography of tribes and scheduled tribes. 2. Students will be able to understand the socio-cultural specialty of tribal society. Their traditional economy and political organization. 3. Study of tribal problems. Will be able to develop the feeling of co-existence in students and will turn their then thinking more logical and scientific. 4. Study of this paper will help the students to succeed in different competitive examinations and interviews. 5. This course will provide students a vast area of job opportunities in the field of government, private, research and NGO sector etc.		
6	Credit Value	Option -I =5, Option II & III=4		
7	Total Marks	Max. Marks: 40+60	Min. Passing Marks: 40	

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	1. **Introductory Descriptive of Tribes** 1.1 Meaning, definition, and characteristics of Tribes and Scheduled Tribes 1.2 Classification and types of tribal communities: Geographical Linguistic Economic Racial	15
	Keywords - Tribe and Scheduled tribe, tribal classification.	

22/8/25 22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Activity - Group discussion and library study on tribal society.	
II	**2. Tribal Society – Socio-Cultural Perspective** 2.1 Tribal Family 2.2 Tribal Marriage 2.3 Tribal Kinship System	15
	Keywords - Tribal family, Tribal Marriage, Tribal Kinship	
	Activity - Survey the tribes in your area.	
III	**3. Tribal Economic and Political Organization** 3.1 Traditional sources of tribal economy: Hunting and food gathering Agriculture Forests Nomadism and weekly markets 3.2 Changes in tribal economy 3.3 Traditional political organization and present-day tribal political organization	15
	Keywords - tribal economy, tribal sources of economy, Factor for change in economy.	
	Activity - Make a research paper on Haat Bazaar.	
IV	**4. Identity, Recognition and Challenges of Tribes in M.P.** 4.1 Gonds, Bhils 4.2 Bharia, Sahariya 4.3 Korku, Baiga	15
	Keywords - tribes, recognition, identity	
	Activity - Organise a seminar on tribal society.	
V	**5. Tribal Development Plans** 5.1 Constitutional provision for tribal development 5.2 Welfare schemes and their evaluation implemented by the government 5.3 Welfare programs for tribes by the M.P. Government	15
	Keywords - Tribal Development, Plans Constitutional, provision, Welfare schemes & programs by the M.P. Government	
	Activity - Prepare a list of tribal welfare programmes and discuss them with college students.	
	Total Lectures	**75 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. राम आहुजा- भारतीय समाज
2. डॉ. रविन्द्र नाथ मुखर्जी- जनजातीय समाज का समाजशास्त्र
3. Bimla Chauran- Tribes in Ancient India
4. L.P. Vidyarthi Binay kumar raj- Concept Publication Co. New Delhi, Tribal cultural of indian.
5. Nadeem Hashain- Tribal India Today- Harram publication New Delhi.
6. एस.एल. दोषी राव पी.पी.जैन - जनजातीय समाजशास्त्र रावत
7. डॉ. शिवकुमार तिवारी, म.प्र. की जनजातीय कृति म.प्र. ग्रंथ।
8. पी.आर.नायडू- भारत के आदिवासी राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली।

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भागअ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-22
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	जनजातीय समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम जनजाति एवं अनुसूचित जनजातियों की अवधारणा एवं उनकी जनांकिकी का ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा। 2. भारतीय जनजातियों की सामाजिक-सांस्कृतिक विशिष्टता, उनकी अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक संगठन को विद्यार्थी समझ सकेगा। 3. जनजातियों की समस्याएं, कारण, संवैधानिक प्रावधान एवं कल्याण कार्यक्रम विद्यार्थियों के अंदर सह-अस्तित्व की भावना का विकास कर उनकी सोच को तार्किक बनाएंगे। 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार में सफल होने में विद्यार्थियों की सहायता करेगा। 5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वैच्छिक संगठनों आदि में रोजगार प्राप्त करने का प्रचुर अवसर उपलब्ध कराएगा।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	1. जनजातीयों का परिचयात्मक विवरण 1.1. जनजाति एवं अनुसूचति जनजाति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषतायें 1.2. जनजातीय जनांकिकी एवं वर्गीकरण • भौगोलिक • भाषायी • आर्थिक • प्रजातीय	15
	सारबिन्दु – जनजाति, अनुसूचति जनजाति, जनजाति जानंकिकी	
	गतिविधि - जनजाति समाज पर समूह चर्चा और ग्रन्थालय अध्ययन।	
दवितीय	2. जनजातीय समाज: सामाजिक एवं सास्कृतिक परिदृश्य	15

22/8/25   22/8/25   22/8/25   22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	2.1. जनजातीय परिवार 2.2. जनजातीय विवाह 2.3. जनजातीय नातेदारी व्यवस्था	
	सारबिन्द – जनजाति परिवार, जनजाति विवाह, जनजाति नातेदारी	
	गतिविधि - अपने क्षेत्र की जनजाति का सर्वेक्षण करें।	
तृतीय	3. जनजातीय आर्थिक एवं राजनीतिक संगठन 3.1. जनजातीय आजीविका के पारंपरिक स्त्रोत • शिकार एवं खाद्य संग्रहण • पशुपालन • कृषि • वनोपज एवं हाट बाजार 3.2. जनजातीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन एवं उत्तरदायी कारक 3.3. परंपरागत राजनीतिक संगठन एवं वर्तमान जनजातीय राजनीतिक संगठन	15
	सारबिन्दु – जनजाति आजीविका, जनजाति अर्थव्यवस्था, जनजाति राजनैतिक संगठन	
	गतिविधि - हाट बाजार पर एक शोध पत्र बनायें।	
चतुर्थ	4. म.प्र. की जनजातियों की अस्मिता, पहचान एवं चुनौतियां 4.1. गोंड, भील 4.2. भारिया, सहरिया 4.3. कोरकू, बैगा	15
	सारबिन्द – जनजातियां, अस्मिता, पहचान	
	गतिविधि - जनजाति समाज पर संगोष्ठी का आयोजन करें।	
पंचम	5. जनजातीय विकास योजनायें 5.1. जनजातीय विकास हेतु संवैधानिक प्रावधान 5.2. शासन द्वारा संचालित कल्याण कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन 5.3. म.प्र. सरकार के जनजातीय कल्याण कार्यक्रम	15
	सारबिन्द – विकास योजनायें, जनजाति कल्याण कार्यक्रम	
	गतिविधि - जनजाति कल्याण कार्यक्रमों की सूची बनाकर ,महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ परिचर्चा करें।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टें

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. राम आहुजा- भारतीय समाज
2. डॉ. रविन्द्र नाथ मुखर्जी- जनजातीय समाज का समाजशास्त्र
3. Bimla Chauran- Tribes in Ancient India
4. L.P. Vidyarthi Binay kumar raj- Concept Publication Co. New Delhi, Tribal cultural of indian.
5. Nadeem Hashain- Tribal India Today- Harram publication New Delhi.
6. एस.एल. दोषी राव पी.पी.जैन - जनजातीय समाजशास्त्र रावत
7. डॉ. शिवकुमार तिवारी, म.प्र. की जनजातीय कृति म.प्र. ग्रंथ।

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

३. डॉ.आर.नायडू- भारत के आदिवासी राधा पब्लिकेशन नई दिल्ली।

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।
अधिकतम अंक: 100
सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न-** 5 (5x1=5) **खंड (बी): लघु प्रश्न -** 5 (5x3=15) **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न -** 5 (5x8=40) **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक** 100

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/8/25
22/8/25
22/8/2025
22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA	**Class: M.A.**	**Year: First Year**	**Session:2025-26**
Subject: Sociology			

1	**Course Code**	CC-23
2	**Course Title**	Sociology of Change
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	Core Course
4	**Pre-requisite (if any)**	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Sociology)
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	This paper provides extensive knowledge about changing processes in India. By Studying this paper students will able to understand- 1. The features of Social Change 2. Various theories of Social Change. 3. Various Scientific approaches in changing society. 4. Impact of Social Change.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Classical Indian view about change. Adaptability is a unique feature of Indian Culture, Meaning, Concept and Characteristics of Social Change, Pattern of Social Change, Concept of Social mobility, Revolution Social Movement and Fashion.	15
	Keywords - adaptability, social change, culture, social mobility, revolution, social movement, fashion	
	Activity - Have a group discussion on change and Indian perspective.	
II	Theories of Social Change – Evolutionary Theory- L H Morgan, Herbert Spencer Dialectical Theory- Karl Marx and Ralf Dahrendorf, Cyclical – V Pareto, O Spengler, P A Sorokin, A J Toynbee and Functional Theory- L.A. Coser.	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Keywords - Developmental theory, dialectical theory, cyclical theory, functional theory	
	Activity - Arrange a seminar on social change theory.	
III	Meaning and Characteristics of Social Processes: Cooperation, Accomodation, Assimilation, Competition, Conflict. Conformity and Deviance.	15
	Keywords - Cooperation, adjustment, assimilation, competition, conflict, conformity and deviation	
	Activity - Have a group discussion on various processes of change.	
IV	Process of Social Change in India- Modernization, Westernization, Sanskritization, Little and Great Tradition and Universalization and Parochialization.	15
	Keywords - Modernization, Westernization, Sanskritization, Small and Big Tradition,	
	Activity - Survey your area on Modernisation and Sanskritisation.	
V	Factors of Social Change in India- Inventions, Internal and External Factors Social media, Industrialization, Urbanization, Indian Social Movements.	15
	Keywords - Inventions, Internal, External factors, Social media, Industrialization, Urbanization,	
	Activity - Prepare reports on social media tools.	
	Total Lectures	**75 Hours**

22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources
Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Dube, S.C. 1988. *Modernization and Development: the Search for Alternative Paradigm,* New Delhi: Vistar.
2. Goven,M. P. 1996. *Doctrines of Development,* London: Routledge.
3. Kiely, R. and Phil Marfleet, (Eds.). 1998. *Globalization and the Third World,* London: Routledge.
4. Kothari, Rajni. 1988. *Rethinking Development: In Search of Humane Alternatives,* Delhi: Ajanta.
5. Sen, Amrtya. 1999. Development as Freedom, New Delhi: Oxford University Press.
6. Srinivas, M. N. 1966. Social Change in Modern India, Berkeley: University of California Press.
7. United Nations Development Programme. 2001. Human Development Report, New York: Oxford University Press.
8. lkekftd ifjorZu&Lo:i ,oa fl)kar& ts-ih- flag

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

22/8/25 22/8/2025 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-23
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	परिवर्तन का समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोस कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	यह पेपर भारत में बदलती प्रक्रियाओं के बारे में व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। इस पेपर का अध्ययन करके छात्र निम्नलिखित बातें समझ सकेंगे- 1. सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएं 2. सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिद्धांत। 3. बदलते समाज में विभिन्न वैज्ञानिक दृष्टिकोण। 4. सामाजिक परिवर्तन का प्रभाव।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भागब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यानकीसंख्या (01 घण्टा)
प्रथम	परिवर्तन पर शास्त्रीय भारतीय दृष्टिकोण, भारतीय संस्कृति की अनुकूलनशीलता, सामाजिक परिवर्तन का अर्थ, संकल्पना एवं विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन के प्रतिरूप, सामाजिक गतिशीलता, क्रांति, सामाजिक आंदोलन, एवं फैशन	15
	सारबिन्दु – अनुकूलनशीलता, सामाजिक परिवर्तन, संस्कृति, सामाजिक गतिशीलता, क्रांति, सामाजिक आंदोलन, फैशन	
	गतिविधि - परिवर्तन और भारतीय दृष्टिकोण पर समूह चर्चा करें।	
द्वितीय	सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत – • विकासात्मक सिद्धांत: एल. एच. मॉर्गन, हर्बर्ट स्पेंसर • द्वंद्वात्मक सिद्धांत: कार्ल मार्क्स, राल्फ डाहरेंडॉर्फ • चक्रीय सिद्धांत: वी. पेरेटो, ओ. स्पेंग्लर, पी. ए. सोरोकिन, ए. जे. टॉयनबी • क्रियात्मक सिद्धांत: एल. ए. कोज़र	15

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	सारबिन्दु – विकासात्मक सिद्धांत, द्वंद्वात्मक सिद्धांत, चक्रीय सिद्धांत, क्रियात्मक सिद्धांत	
	गतिविधि - सामाजिक परिवर्तन सिद्धांत पर संगोष्ठी करें।	
तृतीय	सामाजिक प्रक्रियाओं का अर्थ एवं विशेषताएँ – सहयोग, समायोजन, आत्मीकरण, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, अनुरूपता एवं विचलन (Conformity and Deviance)	15
	सारबिन्दु – सहयोग, समायोजन, आत्मीकरण, प्रतिस्पर्धा, संघर्ष, अनुरूपता एवं विचलन	
	गतिविधि - परिवर्तन की विविध प्रक्रियाओं पर सामूहिक चर्चा करें।	
चतुर्थ	भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया – आधुनिकीकरण, पश्चिमीकरण, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृहत परंपरा, सामान्यीकरण एवं प्रांतीयकरण	15
	सारबिन्दु – आधुनिकीकरण, पश्चिमीकरण, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृहत परंपरा,	
	गतिविधि - आधुनिकीकरण और संस्कृतिकरण पर अपने क्षेत्र का सर्वेक्षण करें।	
पंचम	भारत में सामाजिक परिवर्तन के कारक – आविष्कार, आंतरिक एवं बाह्य कारक, सोशल मीडिया, औद्योगीकरण, शहरीकरण, भारतीय सामाजिक आंदोलन	15
	सारबिन्दु – आविष्कार, आंतरिक , बाह्य कारक, सोशल मीडिया, औद्योगीकरण, शहरीकरण,	
	गतिविधि - सोशल मीडिया के साधनों पर प्रतिवेदन बनाये।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टे

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Dube, S.C. 1988. *Modernization and Development: the Search for Alternative Paradigm*, New Delhi: Vistar.
2. Goven, M. P. 1996. *Doctrines of Development*, London: Routledge.
3. Kiely, R. and Phil Marfleet, (Eds.). 1998. *Globalization and the Third World*, London: Routledge.
4. Kothari, Rajni. 1988. *Rethinking Development: In Search of Humane Alternatives*, Delhi: Ajanta.
5. Sen, Amrtya. 1999. Development as Freedom, New Delhi: Oxford University Press.
6. Srinivas, M. N. 1966. Social Change in Modern India, Berkeley: University of California Press.
7. United Nations Development Programme. 2001. Human Development Report, New York: Oxford University Press.
8. lkekftd ifjorZu&Lo:i ,oa fl)kar& ts-ih- flag

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

22/8/22 22/8/22 22/8/22

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

आग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व।

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	**खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5)** **खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)** **खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40)** **(आंतरिक विकल्प के साथ)**	**कुल अंक 100**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction			
Program: P.G. DIPLOMA	**Class: M.A.**	**Year: First Year**	**Session:2025-26**

Subject: Sociology		
1	**Course Code**	CC-24
2	**Course Title**	Sociology of Development
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)**	Core Course
4	**Pre-requisite (if any)**	Passed 1st semester of Post Graduate Diploma Course (Sociology)
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1. By studying this paper student will have knowledge about great legacy of humanitarian values in classical Indian text. 2. By studying this paper students will be able to understand the concept of development. 3. This Paper enable students to understand various theories of development. 4. This Paper enable students to understand various models and path of development and its viability in the Indian context. 5. This paper enable student to understand the process of development and its implications.
6	**Credit Value**	Option -I =5, Option II & III=4
7	**Total Marks**	Max. Marks: 40+60 / Min. Passing Marks: 40

Part B-Content of the Course

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical(in hours per week):L-T-P:02-00-00=

Unit	Topics	No. of Lectures (1 Hour Each)
I	Concept of Humanity, Duties of states for the development of their Public, as described by kautilya and in other Indian Classical Text	15
	Keywords - Humanity, classical texts, public welfare, state, duty	
	Activity - Organise a discussion on the topic "Kautilya versus Modern State".	
II	Meaning , Concept and Definition of Development, Scope of Sociology of Development, Concept of Evolution, Progress,	15

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Planning, and Sustainable Development. Indicators of Human Development and Social Development	
	Keywords - Progress, Planning, Sustainable Development, Human Development, Indicators	
	Activity - Prepare State or District level comparative chart on "Human Development Indicators".	
III	Theories of Development- Gandhian Approach, Rostow on Stages of Development, , Socio- Psychological View of McClelland, W A Lewis, E Hagen and Diffusion Approach of Moor, Feldman , Learner, and Peter Heinz,	15
	Keywords - Theories of development, social-mental, approaches, diffusion approach	
	Activity - Make poster presentation on "Major Theories of Development" (Gandhi, Rostow, Lewis etc.).	
IV	Approaches and Agencies of Development- Capitalist approach, Socialist Approach, Mixed Approach, Public Private Partnership Model, Government and Development- Planning in India, Neeti Ayog, NGO and Development- Concept of NGO, History of NGO in India , Role of NGO in Development.	15
	Keywords - Capitalist, Socialist, Mixed, Public-Private Partnership, Niti Aayog, NGO	
	Activity - Case study writing on "Role of NGO or NITI Aayog in India".	
V	Issues and Challenges of Development- Environment Protection , Regional Imbalance, Globalization, rehabilitation and Displacement	15
	Keywords - Environmental protection, regional inequality, globalization, rehabilitation and displacement	
	Activity - Street play or short dialogue on the theme "Development and Environmental Crisis".	
	Total Lectures	**75 Hours**

22/8/25

22/8/25

22/8/25

22/8/2025

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Dube, S.C. 1988. *Modernization and Development: the Search for Alternative Paradigm,* New Delhi: Vistar.
2. Goven,M. P. 1996. *Doctrines of Development,* London: Routledge.
3. Kiely, R. and Phil Marfleet, (Eds.). 1998. *Globalization and the Third World,* London: Routledge.
4. Kothari, Rajni. 1988. *Rethinking Development: In Search of Humane Alternatives,* Delhi: Ajanta.
5. Sen, Amrtya. 1999. Development as Freedom, New Delhi: Oxford University Press.
6. Srinivas, M. N. 1966. Social Change in Modern India, Berkeley: University of California Press.
7. United Nations Development Programme. 2001. Human Development Report, New York: Oxford University Press.

Suggested equivalent online courses:
https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100
CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

22/8/25 22/8/25 22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

भाग अ- परिचय

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर डिप्लोमा	कक्षा: एम.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC-24
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	विकास का समाजशास्त्र
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (समाजशास्त्र) के प्रथम सेमेस्टर में उत्तीर्ण
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. यह पाठ्यक्रम भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित मानवतावादी मूल्यों की महान परंपरा से अवगत कराता है। 2. विद्यार्थी विकास की संकल्पना को समझ सकेंगे। 3. यह पाठ्यक्रम विकास के विभिन्न सिद्धांतों को समझने में सहायक है। 4. विद्यार्थी विकास के विभिन्न मॉडल व मार्ग तथा उनकी भारतीय संदर्भ में प्रासंगिकता को समझ सकेंगे। 5. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को विकास की प्रक्रिया एवं उसके प्रभावों को समझने में सक्षम बनाता है।
6	क्रेडिट मान	विकल्प- I =5, विकल्प- II & III=4
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 40+60 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 40

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	मानवता की संकल्पना, कौटिल्य एवं अन्य भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों में वर्णित जनकल्याण हेतु राज्य के कर्तव्य	15
	सारबिन्दु – मानवता, शास्त्रीय ग्रंथ, जनकल्याण , राज्य, कर्तव्य	
	गतिविधि - "कौटिल्य बनाम आधुनिक राज्य" विषय पर परिचर्चा आयोजित करें।	
द्वितीय	विकास का अर्थ, संकल्पना एवं परिभाषा, विकास के समाजशास्त्र का क्षेत्र, विकास, प्रगति, योजना निर्माण एवं सतत विकास की अवधारणाएँ, मानव विकास एवं सामाजिक विकास के संकेतक	15
	सारबिन्दु – प्रगति, योजना निर्माण, सतत विकास, मानव विकास, संकेतक	
	गतिविधि - "मानव विकास संकेतकों" पर राज्य या जिले स्तर का तुलनात्मक चार्ट तैयार करें।	
तृतीय	विकास के सिद्धांत – गांधीवादी दृष्टिकोण, रॉस्टो का विकास के चरणों का सिद्धांत,	15

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	मैक्लेलैंड का सामाजिक-मानसिक दृष्टिकोण, डब्ल्यू. ए. लुईस, ई. हेगन, एवं मूर, फेल्डमैन, लर्नर तथा पीटर हाइंज का प्रसार दृष्टिकोण	
	सारबिन्दु – विकास के सिद्धांत, सामाजिक-मानसिक, दृष्टिकोण, प्रसार दृष्टिकोण	
	गतिविधि - "विकास के प्रमुख सिद्धांतों" पर पोस्टर (गांधी, रोस्टो, लुईस आदि) प्रस्तुति करें।	
चतुर्थ	विकास के दृष्टिकोण एवं संस्थाएँ – पूंजीवादी, समाजवादी, मिश्रित दृष्टिकोण; पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल, भारत में सरकारी योजना, नीति आयोग, गैर-सरकारी संगठनों (NGO) की अवधारणा, भारत में NGO का इतिहास एवं विकास में उनकी भूमिका	15
	सारबिन्दु – पूंजीवादी, समाजवादी, मिश्रित, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, नीति आयोग, गैर-सरकारी संगठन	
	गतिविधि - "भारत में NGO या नीति आयोग की भूमिका" पर केस स्टडी लेखन।	
पंचम	विकास से जुड़ी समस्याएँ एवं चुनौतियाँ – पर्यावरण संरक्षण, क्षेत्रीय असमानता, भूमंडलीकरण, पुनर्वास एवं विस्थापन	15
	सारबिन्दु – पर्यावरण संरक्षण, क्षेत्रीय असमानता, भूमंडलीकरण, पुनर्वास एवं विस्थापन	
	गतिविधि - "विकास और पर्यावरणीय संकट" विषय पर नुक्कड़ नाटक या लघु संवाद मंचन।	
	कुल व्याख्यान	75 घण्टें

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Dube, S.C. 1988. *Modernization and Development: the Search for Alternative Paradigm,* New Delhi: Vistar.
2. Goven,M. P. 1996. *Doctrines of Development,* London: Routledge.
3. Kiely, R. and Phil Marfleet, (Eds.). 1998. *Globalization and the Third World,* London: Routledge.
4. Kothari, Rajni. 1988. *Rethinking Development: In Search of Humane Alternatives,* Delhi: Ajanta.
5. Sen, Amrtya. 1999. Development as Freedom, New Delhi: Oxford University Press.
6. Srinivas, M. N. 1966. Social Change in Modern India, Berkeley: University of California Press.
7. United Nations Development Programme. 2001. Human Development Report, New York: Oxford University Press.
8. सामाजिक परिवर्तन-स्वरूप एवं सिद्धांत- जे.पी. सिंह

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:सेमिनार, कक्षा परीक्षण, समूह चर्चा, कक्षा में उपस्थिति का उचित महत्व। अधिकतम अंक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन- 40 अंक , विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60		
आकलन : 100 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	खंड (ए) वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 5 (5x1=5) खंड (बी): लघु प्रश्न - 5 (5x3=15) (आंतरिक विकल्प के साथ) खंड (सी): दीर्घ प्रश्न - 5 (5x8=40) (आंतरिक विकल्प के साथ)	कुल अंक 100
कोईटिप्पणी/सुझाव:		

22/8/25

22/8/25

22/8/25

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Suggested Readings:

1- एल.एन. शर्मा, कृष्ण मुरारी,: राजनीतिक समाजशास्त्र, ओरियण्ट बलेक रूबान हैदराबाद
2. Pradeep Basu : Political Sociology
3. Usha Shrivastava : Political Sociology
4. Satyabrata Chakraborty : Political Sociology
5. Ali Ashraf : Political Sociology
6- डॉ. जे.सी. जोहरी: राजनैतिक समाजशास्त्र

Suggested equivalent online courses:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Evaluation Methods: Seminar, Class Test, Group Discussion, Appropriate Weightage of attendance in the class.

Maximum Marks:100

CCE- 40, University Exam Marks- 60

External Assessment: University Exam Section: 100 Time: 03:00 Hours	**Section(A) Objective Types** Questions- 5 (5x1=5) **Section(B):**Short Questions - 5 (5x3=15) (With Internal Choice) **Section(C):**Long Questions - 5 (5x8=40) (With Internal Choice)	100

Any remarks/suggestions:

Principal
Govt. Mahakoshal Arts & Commerce
Mahavidyalaya, Jabalpur

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)